दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-२ ला | अंक-४५ वा | शुक्रवार १४ नवंबर २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

तुतारी का रास्ता साफ, पिपानी गई पानी में-निशानी ज़ब्त

जमीर काजी कि रिपोर्ट

मुंबई: राज्य में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के चुनावों की तैयारी शुरू होते ही राष्ट्रवादी कांग्रेस के संस्थापक अध्यक्ष शरद पवार के गुट को राहत देने वाली एक घटना सामने आई है। उनके दल के चुनाव चिन्ह 'तुतारी' से मिलते-जुलते 'पिपानी (ट्रम्पेट)' चिन्ह को चुनाव आयोग ने स्थायी रूप से रद्द कर दिया है। यानी अब यह चिन्ह हमेशा के लिए निरस्त कर दिया गया है और किसी भी निर्दलीय उम्मीदवार को यह प्रतीक नहीं दिया जाएगा।

इस चिन्ह के कारण लोकसभा और विधानसभा चुनावों में उनके दल को बड़ी हानि हुई थी। दोनों चिन्हों की समानता के कारण लोकसभा में दो स्थानों पर और विधानसभा में ९ सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था, ऐसा दावा उनकी ओर से किया गया था। अब स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के चुनावों में उन्हें इस भ्रम का सामना नहीं करना पड़ेगा।

इसी बीच, पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को आखिरकार देर से सही, लेकिन उचित समझ आई।

शरद पवार गुट की ओर से

लोकसभा और विधानसभा चुनावों के समय ही 'पिपानी' चिन्ह को रद्द करने की मांग की गई थी, लेकिन उस समय आयोग ने इसे खारिज कर दिया था। इस चिन्ह के कारण अनेक मतदाताओं में भ्रम की स्थिति बन गई थी। कुछ मतदाताओं ने समान नाम वाले या समान प्रतीक वाले उम्मीदवारों को वोट दे दिए, जिससे शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ था।

अब चुनाव आयोग ने अपने निवेदन में कहा है,

मतदाताओं की भ्रम की स्थिति दूर करने के लिए समानता वाले प्रतीक चरणबद्ध तरीके से हटाए जा रहे हैं। चुनाव में हर मतदाता को स्पष्ट विकल्प मिलना आयोग की प्राथमिकता है।

चुनाव आयोग ने अपनी १९४ मुक्त प्रतीकों की सूची से 'पिपानी (ट्रम्पेट)' प्रतीक को निकाल दिया है।

निर्दलीयों की पिपानी चिन्ह की मांग

लोकसभा चुनाव में सातारा लोकसभा क्षेत्र में पिपानी चिन्ह वाले निर्दलीय उम्मीदवार को बड़ी संख्या में वोट मिले थे, जिसके चलते प्रदेशाध्यक्ष शशिकांत शिंदे को हार का सामना करना पड़ा था।

विधानसभा चुनावों में भी निर्दलीय उम्मीदवारों ने पिपानी चिन्ह की मांग की थी। विशेष रूप से शिरूर, बारामती, सातारा, भिवंडी, दिंडशे, रावेर, अहिल्यानगर, बीड़ इन क्षेत्रों में यह चिन्ह लोकप्रिय हुआ था।

इसी प्रकार जिंतूर, घनसावंगी, शहापुर, बेलापुर, अणुशक्तिनगर, आंबेगाव, पारनेर, केज, परांडा इन मतदार क्षेत्रों में शरद पवार गुट के उम्मीदवार जितने मतों से हारे, उससे अधिक मत पिपानी चिन्ह वाले निर्दलीय उम्मीदवारों को मिले थे। यह मत विभाजित न हुए होते तो शरद पवार गुट के १९ विधायक चुने गए होते, ऐसा दावा भी किया गया था।

पुणे जमीन सौदा रद्द करने के लिए २१ करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी और भरनी होगी-राजस्व मंत्री बावनकुळे

पासपोर्ट बावनकुळे

मुंबई : पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित सरकारी जमीन का लेन-देन तकनीकी रूप से गलत ठरने के कारण उसे रद्द करना पड़ेगा, लेकिन इसके लिए पहले दी गई २१ करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी के बराबर फिर से २१ करोड़ रुपये भरने होंगे, ऐसा स्पष्टीकरण राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने दिया। इस संदर्भ में मुद्रांक शुल्क विभाग ने पार्थ पवार की अमेडिया कंपनी और शीतल तेजवानी को कुल ४२ करोड़ रुपये की नोटिस भेजी है, ऐसा भी उन्होंने बताया।

उन्होंने कहा, जांच के दौरान यह मामला सामने आया कि नोंदणी और मुद्रांक विभाग ने लेन-देन की छानबीन कर उचित कार्रवाई की है। लेन-देन की मूल रक्कम ३०० करोड़ रुपये दिखाई गई थी, जिस पर २१ करोड़ रुपये की स्टाम्प ड्यूटी ली गई। अब पुनः हस्तांतरण (रिकन्वेयन्स) करते समय उतनी ही स्टाम्प ड्यूटी फिर से देनी होगी। यानी कुल ४२ करोड़ रुपये भरने होंगे, ऐसा विभाग ने स्पष्ट किया है।

यह लेन-देन तकनीकी रूप से गलत है। सरकारी जमीन को आपस में बेचने से यह सौदा अमान्य ठरता है। जिस रकम पर सौदा दिखाया गया है, उसी पर मुद्रांक शुल्क वसूलना मुद्रांक अधिनियम के अनुसार अनिवार्य है। केंद्र के मुद्रांक कानून के अनुसार सौदे के मूल्य पर ही शुल्क लगाया जाता है। जमीन के टाइटल का इसमें कोई महत्व नहीं; दिखाई गई राशि महत्वपूर्ण होती है, ऐसा नोंदणी एवं मुद्रांक महानिरीक्षक ने स्पष्ट किया। विभाग की नोटिस पूरी तरह नियमों के अनुसार है और हमारी समिति पूरे सौदे की रिपोर्ट तैयार कर रही है। रिपोर्ट आने के बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा, ऐसा भी उन्होंने कहा।

एक अन्य मामले में सहायक उप-पंजीयक निलंबित पुणे के ताथवडे क्षेत्र की सरकारी जमीन की खरीद-बिक्री करते समय नियमों का गंभीर उल्लंघन होने के मामले में हवेली सहायक उप-पंजीयक कार्यालय की प्रभारी सहायक उप-पंजीयक विद्या शंकर बडे (सांगळे) को निलंबित किया गया है। राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने पंजीकरण महानिरीक्षक को कार्रवाई के आदेश दिए।

मिनी गंठण चोरी का संभाजीनगर पुलिस ने किया खुलासा

परळी (प्रतिनिधि) - परळी बस स्टैंड से ४ नवंबर को एक महिला का १ लाख ४५ हजार रुपये का सोने का गंठण चोरी हो गया था। संभाजीनगर पुलिस ने जांच तेज करते हुए उदगीर के एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसके पास से चोरी का माल बरामद किया।

सुनिता विलास वाघमारे, निवासी अंकुशनगर, बीड़ - ४ नवंबर को नांदेड से बीड़ जा रही थीं। परळी बस स्टैंड पर बस में चढ़ते समय भीड़ का फायदा उठाकर एक अज्ञात आरोपी ने उनके गले से १३ ग्राम वजन का १,४५,००० रुपये कीमत का मिनी गंठण चुरा लिया।

जांच अधिकारी साजिद पठान ने परळी बस स्टैंड के सीसीटीवी फुटेज देखकर आरोपी की पहचान की। आरोपी ऑटो में जाते हुए दिखाई दिया। आगे के सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पता चला कि वह शहर से दो किलोमीटर बाहर जाकर खड़ी स्विफ्ट डिजायर कार में बैठकर चला गया। कार के नंबर और तकनीकी सबूतों के आधार पर पता चला कि चोरी नरसिंग कोंडीबा बण (३८ वर्ष, निवासी गांधी नगर, उदगीर, जिला लातूर) और उसकी दो महिला साथियों ने की थी।

आरोपी नरसिंग कोंडीबा बण को गिरफ्तार कर उसके पास से चोरी हुआ १३ ग्राम का मिनी गंठण (कीमत १,४५,०००) तथा अपराध में उपयोग की गई स्विफ्ट डिजायर कार MH-०४-JB-१५६० (कीमत लगभग ५,००,०००) - कुल ६,४५,००० का माल जब्त किया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नवनीत कावट, अपर पुलिस अधीक्षिका चेतना तिडके, सहायक पुलिस अधीक्षक वेंकटराम के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक धनंजय ढोणे, उपनिरीक्षक अनिल शिंदे, उपनिरीक्षक संदीप चव्हाण, पोलिस नाईक साजिद पठान, पोशि शंकर डोंगळे, पोशि व्यंकट डोरणाळे, पोशि भगवान चव्हाण और संभाजीनगर परळी पुलिस टीम ने की।

अजित पवारने सरकार से बाहर निकलकर बाहर से समर्थन देने की दी थी चेतावनी

'वर्षा' में हुई बैठक पर अंबादास दानवे का दावा

मुंबई : जमीर काजी

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के पुत्र पार्थ पवार द्वारा पुणे में जमीन खरीद घोटाले का मामला सामने आने के बाद महायुति सरकार, विशेषकर राष्ट्रवादी, को झटका देने वाला दावा विधान परिषद के पूर्व विपक्षी नेता अंबादास दानवे ने किया है। इस मामले से जुड़े 'वर्षा' बंगल्यावर हुई बैठक के दौरान अजित पवार ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सरकार से बाहर निकलकर बाहर से समर्थन देने की चेतावनी दी थी, ऐसा दावा उन्होंने गुरुवार को किया।

दानवे ने कहा, इस प्रकरण में भाजपा की तरफ से पार्थ पवार को बचाया जा रहा है। मेरी जानकारी के अनुसार, वर्षा बंगले पर हुई बैठक में अजित पवार ने गुस्से में कहा था-'मैं इस्तीफा देता हूँ और सरकार को बाहर से समर्थन देता हूँ।' मैं यह बात दावे से कह रहा हूँ, सच्चाई बाहर आ जाएगी। पार्थ पवार को इसी तरह बचाया जा रहा है यह सब होने वाला है, इसकी जानकारी भारतीय जनता पार्टी को पहले से थी।

उन्होंने आगे कहा, भाजपा पहले परेशानी में डालती है और बाद में वही बाहर निकालती है-इस प्रकरण में भी यही हुआ है। कंपनी के मालिक पार्थ पवार पर एफआईआर क्यों दर्ज नहीं होती? कहा जा रहा है कि स्टाम्प ड्यूटी नहीं भरी गई इसलिए कार्रवाई होती है। जब लेन-देन हुआ ही नहीं तो स्टाम्प ड्यूटी क्यों भरनी चाहिए? लेकिन जब तक स्टाम्प ड्यूटी जमा नहीं होती, तब तक लेन-देन रद्द नहीं होता-यह नियम है। यदि कोई लेन-देन रद्द किया जाता है, तो उतनी ही स्टाम्प ड्यूटी सरकार को भरनी पड़ती है। बावनकुळे ने जो भूमिका ली है, वह गलत है। पार्थ पवार को भाजपा बचा रही है। पार्थ पवार क्या कोई छोटा बच्चा है? जिसने लोकसभा का चुनाव लड़ा है, वह कोई बच्चा नहीं है। किसी के बेटे के रूप में नहीं, बल्कि भारत के सामान्य नागरिक और एक आरोपी के रूप में उसे व्यवहार मिलना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा,एक तहसीलदार की इतनी क्षमता होती नहीं है। जिलाधिकारी क्यों अलग रखे गए हैं? किसी के कहे बिना तहसीलदार इतनी हिम्मत नहीं कर सकता। एक तहसीलदार की बलि देकर पार्थ पवार और अन्य बड़े अधिकारियों को बचाना गलत है। पार्थ पवार पर केस दर्ज होना ही चाहिए। मुख्यमंत्री की भूमिका के बिना पार्थ पवार बच नहीं सकते।

ऐसा कुछ नहीं हुआ : बावनकुळे

अंबादास दानवे द्वारा किए गए दावे को राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुळे ने खारिज किया। उन्होंने कहा, मैं उस बैठक में मौजूद था। ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। इस गैरव्यवहार की गहराई से जांच करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिए थे और इस पर अजित पवार ने भी सहमति जताई थी।

अजित पवार सत्ता के लिए मजबूर, इसलिए सरकार से बाहर नहीं आएंगे-हर्षवर्धन सपकाळ

मुंबई : जमीर काजी

राज्य की ट्रिपल इंजन सरकार के भीतर चल रहे मतभेद चरम पर पहुँच गए हैं, लेकिन सत्ता के लिए सभी नेता एकजुट दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता और उपमुख्यमंत्री अजित पवार सत्ता के लिए लाचार हैं, और सत्ता छोड़कर वे रह नहीं सकते, इसलिए वे कभी भी सरकार से बाहर नहीं आएंगे - ऐसा आरोप कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने गुरुवार को किया।

टिळक भवन में कांग्रेस की राज्य चुनाव समिति की दो दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में विधिमंडल दल के नेता विजय वडेट्टीवार, विधान परिषद में गटनेता सतेज उर्फ बंटी पाटील, सहप्रभारी बी.एम. संदीप, कांग्रेस कार्य समिति के सदस्य व पूर्व मंत्री नसीम खान, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन जोशी, वजाहत मिर्झा, प्रदेश महासचिव (संगठन व प्रशासन) एड. गणेश पाटील, सिद्धार्थ हत्तीअंबिरे, सचिन नाईक आदि उपस्थित थे।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए सपकाळ ने कहा कि राज्य चुनाव समिति की दो दिन चली बैठक में नगरपालिका और नगर पंचायत चुनावों के लिए उम्मीदवार तय करने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। स्थानीय नेतृत्व से चर्चा कर नामों पर सहमति बनाई गई है। हर जिले में राजनीतिक समीकरण अलग हैं। स्थानीय स्तर पर समान विचारधारा वाले दलों से चर्चा कर गठबंधन किए गए हैं। कुछ जिलों में वंचित बहुजन आघाड़ी, शेकाप, किसान संगठन और रासप के साथ भी गठबंधन हुआ है। मनसे के साथ गठबंधन के लिए किसी भी जिले से कोई प्रस्ताव नहीं आया है, ऐसा सपकाळ ने कहा।

भाजपा पदाधिकारी कांग्रेस में शामिल

चंद्रपुर जिले के भाजपा विधायक बंटी भागडिया के समर्थक और भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश महामंत्री जुनेद खान ने अपने कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ और विधिमंडल नेता विजय वडेट्टीवार की उपस्थित में कांग्रेस में प्रवेश किया।

सपकाळ ने कहा कि महायुति में धोखे का माहौल तीनों दलों के कई पदाधिकारियों के मन में पनप रहा है। इसलिए आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण नेता कांग्रेस में शामिल होंगे।

नामांकन पत्र की जानकारी के साथ वेबसाइट पर दस्तावेज़ न जोड़ने का चुनाव आयोग का निर्देश

विशेष प्रतिनिधि, मुंबई :

नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों के लिए वेबसाइट पर केवल नामांकन पत्र और शपथपत्र में मौजूद जानकारी भरना अनिवार्य है। इसके साथ कोई भी दस्तावेज़ अपलोड करने की आवश्यकता नहीं है। वेबसाइट पर पूरी जानकारी भरने के बाद नामांकन पत्र और शपथपत्र की प्रिंटेड प्रति निकालकर, उस पर उम्मीदवार और प्रस्तावकों के हस्ताक्षर करके सभी आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ निर्धारित समय में संबंधित चुनाव निर्णय अधिकारी के पास जमा करना आवश्यक है - ऐसा स्पष्टीकरण राज्य चुनाव आयोग ने दिया है।

राज्य की २४६ नगर परिषदों और ४२ नगर पंचायतों के सदस्य पद तथा प्रत्यक्ष अध्यक्ष पद के सार्वत्रिक चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके लिए राज्य चुनाव आयोग ने

https://mahasecelec.in

यह वेबसाइट विकसित की है। इस पर पंजीकरण करके उम्मीदवार को नामांकन पत्र और शपथपत्र की जानकारी भरनी होगी। पूरी जानकारी भरने के बाद उसकी प्रिंट निकालकर उस पर उम्मीदवार और प्रस्तावकों के हस्ताक्षर करना अनिवार्य है। इसके बाद मूल प्रति के साथ सभी आवश्यक दस्तावेज़ों (जैसे- नगर परिषद/नगर पंचायत का बकाया न होने का प्रमाणपत्र, शौचालय उपयोग का प्रमाणपत्र/स्व-घोषणापत्र, चुनाव के लिए बैंक खाता विवरण, आरक्षित सीट के मामले में जाति प्रमाणपत्र, पार्टी उम्मीदवार के लिए 'जोडपत्र-१' या 'जोडपत्र-२' आदि) का पूरा सेट निर्धारित समय पर संबंधित चुनाव निर्णय अधिकारी के पास जमा करना अनिवार्य है।

इच्छुक उम्मीदवारों के लिए पंजीकरण हेतु यह वेबसाइट

१७ नवंबर २०२५ को दोपहर २ बजे तक

खुली रहेगी। पंजीकरण करते समय बनाए गए लॉगिन आईडी और पासवर्ड को सुरक्षित रखना आवश्यक है, क्योंकि इन्हीं के माध्यम से नामांकन पत्र और शपथपत्र भरने की प्रक्रिया पूरी होती है।

हस्ताक्षर किए हुए प्रिंटआउट और सभी आवश्यक दस्तावेज़ों का पूरा सेट १७ नवंबर दोपहर ३ बजे तक संबंधित चुनाव निर्णय अधिकारी को जमा करना आवश्यक है। शनिवार, १५ नवंबर (साप्ताहिक अवकाश) को भी नामांकन पत्र जमा किए जा सकेंगे, लेकिन रविवार को जमा नहीं होंगे। इच्छुक उम्मीदवारों को आवश्यक दस्तावेज़ उपलब्ध कराने के निर्देश सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों को दिए गए हैं - ऐसा भी आयोग ने स्पष्ट किया है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

डॉ. मोहसिन जलगांवी को तेलंगाना राज्य उर्दू अकादमी का सर्वोच्च मौलाना अबुल कलाम आज़ाद साहित्य सम्मान

जलगांव की माटी का गौरव, उर्दू साहित्य का सम्मान

जलगांव (अक़ील ख़ान ब्यावली)

महाराष्ट्र का क्षेत्र जलगांव के सपूत, प्रख्यात कवि, साहित्यकार और पत्रकार डॉ. मोहसिन जलगांवी को तेलंगाना राज्य उर्दू अकादमी द्वारा शायरी और साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में सर्वोच्च मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.

हैदराबाद के भव्य सभागार में आयोजित इस प्रतिष्ठित समारोह में हजारों साहित्यप्रेमियों की मौजूदगी के बीच तेलंगाना राज्य के मंत्री जनाब मोहम्मद अज़हरुद्दीन (पूर्व भारतीय

क्रिकेट कप्तान) ने तालियों की गूंज के बीच डॉ. मोहसिन जलगांवी को यह पुरस्कार प्रदान किया और हार्दिक बधाई दी.डॉ. मोहसिन जलगांवी पिछले छह दशकों से हैदराबाद में निवासरत हैं और उन्होंने अपनी कविताओं, लेखन और पत्रकारिता के माध्यम से उर्दू साहित्य में एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है. उनके इस सम्मान पर न केवल हैदराबाद बल्कि पूरे देश के साहित्यिक जगत में प्रसन्नता और गर्व का माहौल है.इस समारोह में मखदूम मोहिउद्दीन पुरस्कार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए कई अन्य व्यक्तित्वों को भी सम्मानित किया गया.प्रदर्शित तस्वीर में तेलंगाना राज्य के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जनाब अज़हरुद्दीन (पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान) को डॉ. मोहसिन जलगांवी को पुरस्कार प्रदान करते हुए देखा जा सकता है. साथ ही उर्दू अकादमी के वरिष्ठ अधिकारी भी मंच पर उपस्थित थे. एक दौर था जब मोहसिन साहब अपने वतन जलगांव की साहित्यिक और शायरी की महफ़िलों की रौनक हुआ करते थे मुजाहिद जलगांवी और याकुब सहर जलगांवी जैसे कवि उनके समकालीन और घनिष्ठ मित्र रहे हैं. आज उनके इस गौरवपूर्ण सम्मान से न केवल जलगांव की भूमि, बल्कि उर्दू भाषा और भारतीय साहित्यिक परंपरा का भी मान बढ़ा है.

गेवराई शहर में प्रचार के दौरान सौ. शीतलताई महेश दाभाड़े को मतदाताओं से बढ़ता समर्थन

गेवराई (काजी अमान) – महेश अण्णा दाभाड़े को किसी प्रकार का राजनीतिक वारसा नहीं है और वे एक साधारण परिवार में जन्मे हुए हैं, फिर भी वे स्थापित नेतृत्व को कड़ी टक्कर देने को तैयार हैं और आज गेवराईकरों के भरोसे का तावीज़ बने हुए हैं। महेश दाभाड़े जब नगराध्यक्ष थे, तब गेवराई के नागरिकों ने उनके कामकाज की झलक देखी थी। इस बार गेवराई नगरपरिषद का अध्यक्ष पद 'ओपन महिला' श्रेणी में आने के कारण उनकी पत्नी सौ. शीतलताई महेश दाभाड़े यह चुनाव लड़ रही हैं।

महेश दाभाड़े के अच्छे काम और उनके मजबूत जनसंपर्क का लाभ शीतलताई को मिल रहा है, और उन्हें वार्ड-वार्ड में प्रचार के दौरान उत्कृष्ट प्रतिसाद प्राप्त हो रहा है। कई मतदाता कह रहे हैं – हमारी बेटी, बहन खड़ी है। इस वर्ष की भाऊ बीज (भाई-दूज) के रूप में हम शीतलताई को वोट रूपी आशीर्वाद देंगे।

२ दिसंबर को होने वाले गेवराई नगरपरिषद के चुनाव में सौ. शीतलताई महेश अण्णा दाभाड़े और सौ. गीताभाभी बालराजे पवार के बीच सीधी टक्कर होने वाली है। दोनों ही उम्मीदवार शहर के प्रत्येक प्रभाग में जाकर प्रचार कर रहे हैं और मतदाताओं से संपर्क साध रहे हैं।

शीतलताई मूल रूप से गेवराई की ही होने के कारण उनका मायका और ससुराल– दोनों गेवराई में हैं। इसलिए प्रचार के दौरान उन्हें शहर में व्यापक समर्थन मिल रहा है। उनके पति, पूर्व नगराध्यक्ष महेश अण्णा दाभाड़े, भी साधारण परिवार से हैं, लेकिन स्थापित नेतृत्व को टक्कर देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गेवराई में उनका मजबूत जनसंपर्क और बड़ा मित्रपरिवार है। शहर के हर वार्ड में उनके कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में मौजूद हैं। वे सभी समाजबंधुओं को साथ लेकर चलते हैं, उनकी मुश्किलें दूर करने में मदद करते हैं और सुख-दुख में सहभागी होते हैं। यही कारण है कि उनका समर्थक वर्ग बहुत बड़ा है और इसका सीधा लाभ उनकी पत्नी शीतलताई के प्रचार को मिल रहा है।

जहां-जहां वे प्रचार करने जाती हैं, वहां के नागरिक कह रहे हैं –

हमारी बेटी, हमारी बहन आई है। इस बार की भाऊबीज पर उसे वोट का आशीर्वाद देंगे।

बालू ढोने वाला ट्रैक्टर जब्त

बीड, दि.१३ (प्रतिनिधि) – शिरूर कासार पुलिस ने अवैध बालू परिवहन करने वाले एक ट्रैक्टर पर कार्रवाई करते हुए लगभग साढ़े छह लाख रुपये का माल जब्त किया है। सिंदफणा नदी के पात्र से बालू भरकर गांव ले जा रहे ट्रैक्टर को पुलिस ने रोककर चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार, १२ तारीख को सुबह करीब साढ़े छह बजे शिरूर पुलिस थाने के कर्मचारी अवैध धंधों पर कार्रवाई के लिए गश्त पर थे। उसी समय गोपनीय सूत्रों से जानकारी मिली कि सिंदफणा नदी के पात्र से शिरापुर घाट-शिरूर कासार मार्ग से बालू से भरा एक ट्रैक्टर आ रहा है। इसके अनुसार पुलिस ने नदी क्षेत्र में जाल बिछाया। इस दौरान स्वराज कंपनी का ट्रैक्टर (क्रमांक MH-१६-DC-०३८८) बालू से भरा हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर, ट्रॉली और बालू – कुल मिलाकर करीब साढ़े छह लाख रुपये का माल जब्त कर आप्पासाहेब कचरू तळेकर के खिलाफ मामला दर्ज किया। यह कार्रवाई सहायक पुलिस निरीक्षक प्रविण जाधव, उपनिरीक्षक जायभाये, पुलिसकर्मी खाडे और ऊबाले ने की।

दिल्ली धमाके के बाद अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर बड़ी कार्रवाई-एआईयू ने सदस्यता रद्द की

दिल्ली एजेंसी

फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी दिल्ली में लाल किले के पास १० नवंबर को हुए कार धमाके में नाम सामने आने के बाद अब गंभीर प्रशासनिक कार्रवाई की जद में आ गई है। एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (-खण) ने विश्वविद्यालय की सदस्यता तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।

एआईयू का बड़ा फैसला

एआईयू ने आधिकारिक पत्र जारी करते हुए कहा है कि-

विश्वविद्यालय अच्छी स्थिति में नहीं पाया गया है, इसलिए इसकी सदस्यता समाप्त की जाती है। यह संस्थान अब एआईयू का नाम या लोगो उपयोग नहीं कर सकेगा।

सदस्यता क्यों रद्द हुई?

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार:

अल-फलाह यूनिवर्सिटी की प्रशासनिक और वित्तीय स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठे।

विश्वविद्यालय के कुछ चिकित्सकों का संबंध धमाके से जुड़े मॉड्यूल से सामने आया।

एनएएसी (छ--उ) ने भी अल-फलाह को फर्जी प्रत्यायन दावों पर कारण-बताओ नोटिस भेजा है।

केंद्र सरकार की कड़ी कार्रवाई

धमाके के बाद:

केंद्र सरकार ने विश्वविद्यालय के सभी रिकॉर्ड की फोरेंसिक ऑडिट का आदेश दिया है।

ईडी और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों को विश्वविद्यालय के पैसे के लेन-देन की जांच के निर्देश दिए गए हैं।

अल-फलाह अब जांच के घेरे में

दिल्ली धमाके की जांच में जब संदिग्धों के अल-फलाह से संबंध सामने आए, तब से यह विश्वविद्यालय लगातार सुरक्षा और वित्तीय निगरानी एजेंसियों के रडार पर है।

पुणे में बड़ा हादसा, दो ट्रकों की टक्कर से लगी आग, ८ लोगों की जलकर मौत

पुणे। प्रतिनिधि

पुणे के नवले पुल पर गुरुवार (१३ नवंबर) को बड़ा हादसा हो गया. दो कंटेनर ट्रक टकरा गए जिससे एक ट्रक में आग लग गई. एक कार दोनों ट्रक के बीच में फंस गई और पूरी तरह जल गई. अग्निशमन विभाग के अनुसार, अब तक ८ शव निकाले जा चुके हैं. जलते वाहनों में कुछ और लोगों के फंसे होने की संभावना है. इसलिए मृतकों की संख्या बढ़ सकती है.

दरअसल, ये घटना पुणे शहर के बाहरी इलाके में मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर हुई, जहां दो बड़े कंटेनर ट्रक के बीच एक कार फंस कर चकनाचूर हो गई जिससे आठ लोगों की मौत हो गई. पुलिस ने बताया कि नवले ब्रिज पर शाम को हुई दुर्घटना में कई लोग घायल भी हैं.

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि घायलों को अस्पताल ले जाया गया. दुर्घटना के बाद सामने आए वीडियो में साफ तौर पर देखा जा रहा है कि दो भारी ट्रकों में भिड़ंत के बाद ट्रक आग का गोला बन गया और एक कार कुचलकर चकनाचूर हो गई.

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे

में पांच से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग इसें घायल हो गए. घायलों को अस्पताल ले जाया गया है.

दुर्घटना की जांच जारी

पुलिस अधिकारी ने कहा कि हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि दुर्घटना कैसे हुई. फिलहाल, हमारी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को अस्पताल में तुरंत इलाज मिले. उन्होंने बताया कि दमकल विभाग ने पानी के टैंकर मौके पर भेजे और आग बुझाने के प्रयास जारी हैं. वहीं इस भीषण एक्सीडेंट के बाद व्यस्त राजमार्ग पर यातायात जाम लग गया.

मृतकों की पहचान कर रहे-डीसीपी

वहीं इस घटना को लेकर डीसीपी संभाजी कदम ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है. घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है. उन्होंने कहा कि बचाव अभियान अभी भी जारी है और मृतकों की पहचान की प्रक्रिया चल रही है. ट्रैफिक को हटाया जा रहा है ताकि राजमार्ग पर आवाजाही को सामान्य किया जाए.

सुप्रिया सुले ने किया शोक व्यक्त

एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने एक्स पर अपनी पोस्ट में शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना बेहद दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है. उन्होंने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की.

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com